OTT VIDEO ON DEMAND AND LIVE TV DEMYSTIFIED

By DHIMANT BHAYANI
- Founder and CEO of iRevo Multimedia

DHIMANT BHAYANI

OTT stands for "Over the Top" and refers to Video on Demand and Live TV content that is distributed outside of ("over the top") managed networks like Cable TV, Satellite TV or Internet TV (IPTV) over LAN. One can infer from the above that OTT means Over the Internet. World over, OTT content distribution has been making progress by leaps and bounds. The greatest benefit of OTT service is to be able to distribute content globally; over the public internet; without having to worrying about building and managing the network (Cable) or up linking to Satellite (DTH). Furthermore, OTT services enables consumers to access the content that is what they want (choice) and when they want (on Demand)!

EMERGENCE OF OTT SERVICES:

Internet Network is an Ever Expanding Data Pipeline; just like oil pipeline carries oil; internet network transports voice, video and data. The Internet Network expands in two dimensions: Distance and Size. Greater and greater distance is covered by fiber, wireless and satellite networks. Size refers to amount of data network carries. This is where the real revolution lies. Unlike oil pipeline once built has a fix capacity, data networks (particularly fiber based) can keep increasing its capacity multifold by changing the data modulation and compression technologies for a small incremental cost. So how do you fill this ever increasing data capacity? Industry leaders like Cisco has been heavily promoting sending as much video data as possible over IP network with global reach. Internet has benefited telecommunications, content and content distribution platforms (OTT companies) like YouTube, Roku and Netflix.

ओटीटी वीडियो ऑन डिमांड और लाइव टीवी से रहस्य हटा

लेखक ः श्री धीमंत भयानी - संस्थापक व सीईओ, iRevo मल्टीमीडिया

ओटीटी का मतलब 'ओवर दॅ टॉप' और इसका उल्लेख वीडियो ऑन डिमांड व लाइव टीवी सामग्री के लिए किया जाता है जिसे कि केबल टीवी, सैटेलाइट टीवी व लैन की सहायता से इंटरनेट टीवी (आईपीटीवी) जैसे प्रबंधित नेटवर्क के (ओवर दॅ टॉप) बाहर वितरित किया जाता है। ऊपर की बात से कोई भी अनुमान लगा सकता है कि ओटीटी का मतलब ओवर दॅ इंटरनेट है। विश्व भर में ओटीटी सामग्री वितरण में जबरदस्त बढोतरी हुई है। ओटीटी सेवा का सबसे बड़ा लाभ सार्वजनिक इंटरनेट पर, नेटवर्क (केबल) के निर्माण और प्रबंधन के संबंध में चिंता किये बिना या सैटेलाइट (डीटीएच) से जुड़कर विश्वस्तर पर सामग्री को वितरित करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा ओटीटी सेवा, उपभोक्ताओं को उन सामग्री को एक्सेस करने में सक्षम बनाती है जो वे चाहते हैं (पसंद) और जब वे चाहते हैं (मांग पर)!

ओटीटी सेवाओं का उदय

इंटरनेट नेटवर्क एक विस्तारित डेटा पाइपलाइन है, बिल्कुल तेल ले जाने वाली पाइपलाइन के समान, इंटरनेट नेटवर्क वॉयस, वीडियो व डेटा ट्रांसपोर्ट करती है। इंटरनेट नेटवर्क 2 आकार में विस्तार करती हैः दूरी व आकार। फाइबर, वायरलेस व सैटेलाइट नेटवर्क द्वारा लंबी से बहुत लंबी दूरी को कवर किया जाता है। आकार का उल्लेख नेटवर्क द्वारा ले जाने वाले डेटा की मात्रा के लिए किया जाता है। यह वही जगह है जहां असली क्रांति निहित है। तेल पाइपलाइन के विपरित, जिसकी क्षमता निर्माण से ही तय रहती है, डेटा नेटवर्क (खासकर फाइबर आधारित) कुछ खर्च करके डेटा मॉडुलेशन व कंप्रेसन तकनीकी में बदलाव करके अपनी क्षमता में कई गुना बढ़ोतरी कर सकता है। तो आप इस बढ़ती डेटा क्षमता को कैसे भर सकते हैं? सिस्को जैसे उद्योग के नेता विश्वव्यापी पहुंच के साथ जितना अधिक संभव हो आईपी नेटवर्क के ऊपर वीडियो डेटा को भेजकर भारी प्रचार कर रहे हैं। इंटरनेट से दूरसंचार, सामग्री और यूट्यूब, रोकू व नेटफ्लिक्स जैसे सामग्री वितरण प्लेटफार्म (ओटीटी कंपनियों) को फायदा हुआ है।

OTT - VOD & LIVE TV

WHY OFFER OTT SERVICES?

With Internet, content becomes distributable globally. This gives consumer options what they can watch when they want to watch (have time) unlike linear TV which broadcasts content on a predetermined schedule and smaller content selection. Furthermore, OTT VoD service can be delivered via mobile or home internet and hence users can watch content at any room or outside the home too. In Western world and developed Asian economies (Korea, Japan, etc.) more and more content is consumed on mobile devices. In Unites States, almost all TV service providers offer TV Everywhere option where user can watch live TV channels on their mobile, tablet or PC; besides watching on TV via Set Top Box. US Broadcasters took this initiative only after learning that if they do not give their content on other network and devices, customer is spending more and more time viewing competitors alternate content and customer is changing his viewing habit. In India, BW is still not as pervasive and affordable but with the launch of Jio, there are far more users on High Speed mobile wireless network than before. Furthermore, there is a rush to by big and small companies to build out fiber infrastructure to provide TRUE BROADBAND (10 MBPS or more with 100GByte or more data). So, ecosystem is rapidly emerging to deliver OTT service cost effectively. Furthermore, many businesses are realizing that in the end, speed and data plan are not differentiable between themselves and competition. This is where it is important to offer OTT VoD and other Value Added Service (VAS) to their customers.

- ❖ OTT is Video delivery over Internet, Video On Demand or Live Broadcast TV
- ❖ OTT Services Increases Bandwidth Demand by Users
- ❖ Offering of OTT Service Helps Build Your Brand and Service Stickiness
- ❖ A good OTT Service Increases Customer Loyalty, Retention and ARPU
- ❖ Smaller ISPs and Operators Must provide OTT services to match or lead competitors

ओटीटी सेवायें क्यों दें?

इंटरनेट के साथ सामग्री दुनिया भर में वितरित हो जाती है। यह उपभोक्ताओं को विकल्प देती है कि वे अपनी पसंद के समय पर जो भी देखना (समय है) चाहते हैं वे देख सकते हैं, जबकि लिनियर टीवी निर्धारित समय पर और छोटी सामग्री चयन के साथ ही कार्यक्रमों का प्रसारण करती है। इसके अलावा ओटीटी वीओडी सेवाओं को मोबाइल या घरेलू इंटरनेट की सहायता से डिलिवर किया जा सकता है और इसलिए इस्तेमालकर्ता किसी भी कमरे या घर के बाहर भी कार्यक्रम को देख सकते हैं। पश्चिमी दुनिया और विकसित एशियाई अर्थव्यवस्था (कोरिया, जापान आदि) वाले देशों में अधिक से अधिक सामग्री की खपत मोबाइल उपकरणों पर होती है। अमेरिका में लगभग सभी टीवी सेवा प्रदायक कहीं भी विकल्प के साथ टीवी सेवा प्रदान कर रहे हैं जहां कि उपभोक्ता सेट टॉप बॉक्स की सहायता से टीवी देखने के अलावा अपने मोबाइल, टैबलेट या पीसी पर लाइव टीवी चैनलों को देख सकते हैं। अमेरिकी प्रसारकों ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि यदि वे अपनी सामग्री अन्य नेटवर्क और उपकरणों पर उपलब्ध नहीं कराते हैं तो उपभोक्ता अधिक से अधिक समय उनके प्रतिस्पर्धी के वैकल्पिक सामग्री को देखने में बितायेंगे और इस तरह उपभोक्ताओं के देखने की आदत बदल जायेगी। भारत में बीडब्लू अभी भी व्यापक व सस्ती नहीं है, लेकिन जियो के लॉन्च के साथ पहले के मुकाबले अधिक से अधिक लोग उच्च गति वाले मोबाइल वायरलेस नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा ट्रू ब्रॉडबैंड (10 MBPS या 100 GByte से अधिक या अधिक डेटा) प्रदान करने के लिए छोटी व बड़ी कंपनियों के बीच आधारभूत संरचना बनाने के लिए होड़ लगी हुई है। इसलिए, पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से ओटीटी सेवा को लागत प्रभावी ढ़ंग से वितरित करने के लिए उभर रहा है। इसके अलावा कई व्यवसायी यह महसूस कर रहे हैं कि अंत में, गति व डेटा योजना, खुद व प्रतियोगिता के बीच भिन्न नहीं होगी। यह वही स्थान है जहां पर ओटीटी वीओडी और मूल्य आधारित सेवाओं (वीओएस)आदि को ऑफर करना महत्वपूर्ण है। अपने उपभोक्ताओं के लिए मूल्य आधारित सेवा (वीएएस)

- ❖ ओटीटी, इंटरनेट, वीडियो ऑन डिमांड या लाइव प्रसारण टीवी के ऊपर वीडियो डिलिवरी है
- ❖ ओटीटी सेवायें उपभोक्ताओं द्वारा बैंडविड्थ मांग में बढ़ोतरी करता है।
- ❖ ओटीटी सेवा की पेशकश आपके ब्रॉन्ड निर्माण व सेवा बढ़ाने में मदद करती है।
- ❖ अच्छी ओटीटी सेवा उपभोक्ता का भरोसा, धारणा व एआरपीयू में बढ़ोतरी करती है।
- ❖ छोटे आईएसपी व ऑपरेटरों को प्रतिस्पर्धी से मुकाबला करने या आगे बढ़ने के लिए ओटीटी सेवा प्रदान करना चाहिए।

OTT - VOD & LIVE TV

WHAT IS AVOD, SVOD, TVOD AND FREEMIUM?

Let us look at some of the OTT service giants like YouTube, Netflix and Hotstar to understand the services they offer and how they make or lose (invest) money.

YouTube: The world's largest OTT service has built its own Servers, Software and CDN while creating its own content ecosystem via what is called UGC (User Generated Content) and combining the same with traditional entertainment content. Monetization has been primarily via Ad insertion. This type of Ad supported Video on Demand service is called AVOD in short.

YouTube does offer certain movies and premium videos on 'rental basis' (also referred as Pay Per View) to view on device of your choice; PC, Mobile-phone, Tablet or OTT Set Top Box. This type of Transaction (onetime payment) based Video on Demand service is referred to as TVOD.

While YouTube is the largest AVOD service providers, Netflix has become the world's largest Subscription based Video on Demand (SVOD) service provider with over 100M subscribers globally. India's most popular OTT service Hotstar falls into a category called Freemium; a word derived from the combination of Free + Premium content.

Hotstar offers a lot of good Free content; with Ads; but also offers certain Premium content like newer Movies; without Ads; via monthly subscription. So Hotstar can be classified to offer both AVOD and SVOD service or as a Freemium service provider.

IS OTT PROFITABLE?

In India, Hotstar, Jio and Ditto are delivering the VOD, Live TV and Catch up TV services. However, none has embraced openly to

एवीओडी, एसवीओडी, टीवीओडी और फ्रीमियम क्या है?

आइये यूट्यूब, नेटफ्लिक्सि और हॉटस्टार जैसे कुछ विशालकाय कंपनियों की ओटीटी सेवाओं की ओर देखकर यह समझें कि वे किस तरह की सेवा ऑफर कर रही हैं और वे किस तरह से पैसा (निवेश) बना या घाटे में चल रही हैं।

यूट्यूबः विश्व के सबसे बड़े ओटीटी सेवा ने अपने खुद के सर्वर, सॉफ्टवेयर व सीडीएन का निर्माण करते हुए यूजीसी (यूजर जेनरेटेड कंटेंट) कहलाने वाले अपने खुद की सामग्री पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया है और इसे पारंपरिक मनोरंजन सामग्री के साथ संयुक्त किया है। आर्थिक आमदनी मुख्य रूप से विज्ञापन की प्रस्तुतिकरण से आता है। इस तरह के विज्ञापन समर्थित वीडियो ऑन डिमांड सेवा को संक्षिप्त में एवीओडी कहा जाता है।

यूट्यूब भी पीसी, मोबाइल फोन, टैबलेट या ओटीटी सेट टॉप बॉक्स जैसे आपके पसंद के उपकरण पर देखने के लिए 'किराये आधार' पर खास फिल्म व प्रीमियम वीडियो ऑफर करता है। वीडियो ऑन डिमांड पर आधारित लेनदेन (एकबार भुगतान) के इस तरीके को टीवीओडी के रूप में उल्लेख किया जाता है। हालांकि यूट्यूब विशालतम एवीओडी प्रदायक है, जबकि नेटफ्लिक्सि विश्व का सबसे बड़ा सब्सक्रीप्शन आधारित वीडियो ऑन डिमांड (एसवीओडी) सेवा है जिसके विश्वभर में 100 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। भारत की सबसे लोकप्रिय ओटीटी सेवा हॉटस्टार, फ्रीमियम कहलाने वाली श्रेणी में आती है, यह शब्द फ्री+प्रीमियम सामग्री के संयोग से बना है।

हॉटस्टार विज्ञापनों के साथ काफी अच्छी मुफ्त सामग्री ऑफर करता है लेकिन यह मासिक सब्सक्रीप्शन की सहायता से बिना विज्ञापन के नयी फिल्मों जैसी कुछ खास प्रीमियम सामग्री भी ऑफर करता है। इसलिए हॉटस्टार को एवीओडी व एसवीओडी सेवा दोनों या फ्रीमियम सेवा प्रदायक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

ओटीटी लाभदायक है?

भारत में, हॉटस्टार, जियो व डिट्टो वीओडी, लाइव टीवी व कैच अप टीवी सेवाओं की डिलिवरी कर रहे हैं। हालांकि किसी ने भी 'स्पष्ट' कारणों के लिए ओटीटी सेट टॉप बॉक्स के माध्यम से टीवी पर समान

Example OTT Service Providers **ओटीटी सेवा प्रदायकों का उदाहरण**

marketing the same services for viewing on TV via OTT Set Top Box for "obvious" reasons! We believe that ultimately these companies will offer OTT and Live TV services over the Internet for watching on TV and other devices of user's choice without having to be in their house, next to TV set.

Before one can generate revenues from OTT services, significant investment is required in content acquisition, technology and customer acquisition. Companies like YouTube, Hotstar, Jio, Netflix and others have made huge investments and incurred losses for the first 2 to 5 years of operations. Mature OTT service providers like Netflix and YouTube are generating huge profits from their business while building a long term franchise with customers.

A key cost component is not understood by many smaller ISPs and Cable operators. That is cost of Streaming Server and Software to directly serve smaller number of users (typically under 1,000) or cost of CDN bandwidth required to distribute to larger number of users nationally or globally. Smaller ISPs and MSOs / LMOs should explore turnkey OTT services from companies like Yupp TV and iRevo.

TECHNOLOGIES REQUIRED TO DEPLOY YOUR OWN OTT SERVICES?

Traditional Cable TV service requires Content Source (Satellite TV Signal), Headend as a Platform, Cable Network for distribution and Set Top Box + TV for content consumption using EPG (TV Guide) and Remote control as user interface. OTT services receive content from storage servers and internet streams from Cameras or Satellite to IP headend. This content is transcoded and streamed via streaming servers from datacenters / 'NOCs' for small number of users or via origin servers (few streams) feeding in to a Content Delivery Network (CDN). Like IP networks have control plane that carries routing and other information and data plane that carries actual internet traffic, similar mechanism is used for delivering OTT service. An OTT platform is used to organize content types, content placement in App, content Thumbnail and content Metadata, Ratings, etc. which is presented to application running on OTT Set Top Box or Mobile Phone or PC. The OTT platform carries DRM and Content

सेवाओं की मार्केटिंग की खुले तौर घोषणा नहीं की है! हमारा मानना है कि अंततः ये कंपनियां, इंटरनेट के ऊपर ओटीटी और लाइव टीवी सेवाओं को ऑफर करेंगी जिसे कि उपभोक्ताओं के पसंद के टीवी व अन्य उपकरणों पर ऑफर किया जायेगा, इसके लिए उन्हें घर पर या टीवी सेट के पास होने की जरूरत नहीं होगी।

ओटीटी सेवाओं से राजस्व प्राप्त करने के लिए किसी भी कंपनी को पहले सामग्री अधिग्रहण, तकनीकी व उपभोक्ता अधिग्रहण में काफी अधिक निवेश करने की जरूरत है। यूट्यूब, हॉटस्टार, जियो, नेटफ्लिक्सि और अन्य जैसी कंपनियों ने काफी निवेश किया है और संचालन के पहले **2** से **5** वर्षो के दौरानी काफी नुकसान भी झेला है। नेटफ्लिक्सि व यूट्यूब जैसे प्रवुद्ध ओटीटी सेवा प्रदायकों ने उपभोक्ताओं के साथ लंबे समय के फ्रैंचाइजी वनाकर अपने व्यवसाय से काफी लाभ कमाया है।

कई छोटे आईएसपी व केवल ऑपरेटर्स द्वारा एक प्रमुख लागत घटक को नहीं पहचाना जाता है। यह है स्ट्रीमिंग सर्वर व सॉफ्टवेयर की लागत, जो कि इस्तेमालकर्ताओं की छोटी संख्या (आमतौर पर **1000** से नीचे) को सीधे सेवा देती है या सीडीएन बैंडविड्थ की लागत को देशी या विदेशी इस्तेमालकर्ताओं की वड़ी संख्या को वितरित करने की जरूरत है। छोटे आईएसपी और एमएसओ/एलएमओ को यूप्पा टीवी या आईरिवो जैसी कंपनियों से टर्नकी ओटीटी सेवाओं की खोज करनी चाहिए।

अपने खुद की ओटीटी सेवाओं को शुरू करने के लिए आवश्यक तकनीकी?

पारंपरिक केवल टीवी सेवा को सामग्री स्रोत (सैटेलाइट टीवी सिगनल), प्लेटफार्म के रूप में हेडएंड, वितरण के लिए केवल नेटवर्क और ईपीजी (टीवी गाइड) इस्तेमाल करके सामग्री के लिए सेट टॉप वॉक्स+टीवी और इस्तेमालकर्ता के रूप में रिमोट कंट्रोल की जरूरत होती है। ओटीटी सेवायें स्टोरेज सर्वर से सामग्री और आईपी हेडएंड के लिए कैमरा या सैटेलाइट से इंटरनेट स्ट्रीम प्राप्त करता है। इस सामग्री को ट्रांसकोडेड करते हैं और कंटेंट डिलिवरी नेटवर्क (सीडीएन) में मूल सर्वर (कुछ स्ट्रीम्स) फीडिंग करने या डेटासेंटर्स/एनओसी से स्ट्रीमिंग सर्वर की सहायता से स्ट्रीम्ड करते हैं। आईपी नेटवर्क में जैसे कंट्रोल प्लेन होता है जो कि राउटिंग व अन्य सूचनाओं को कैरी करते हैं और डेटा प्लेट जो कि वास्तविक इंटरनेट ट्रैफिक को कैरी करता है, बिल्कुल इस तरह के तंत्र का इस्तेमाल ओटीटी सेवा की डिलिवरी के लिए करता है। एक ओटीटी प्लेटफार्म का इस्तेमाल सामग्री प्रकार, ऐप में सामग्री प्लेसमेंट, सामग्री थंवनेल व सामग्री मेटा डेटा, रेटिंग आदि को व्यवस्थित करने में किया जाता है, जो कि ओटीटी सेट टॉप वॉक्स या मोवाइल फोन या पीसी पर आवेदन संचालन के दौरान प्रस्तुत किया जाता है। ओटीटी प्लेटफार्म

Source URL information for the Video Player to be able to decode a video stream. Video streams coming from a CDN or Streaming Server is a parallel activity and is akin to data plane concept in networking terminology.

It is NOT right to think that one can put together an App with Live TV URLs or an in house streaming server with content to deliver OTT service as such platform will lack scalability, analytics and monetization capabilities.

OTT VOD OR OTT LIVE TV AND VAS?

The MSOs would want to first offer OTT Video on Demand services followed by Live TV over OTT. And ISPs too should start with OTT Video on Demand services. iRevo's PlayCast OEM is an example of readily customizable OTT Video on Demand service that one can start with minimum investment and none to little technical knowhow. Eventually, both businesses would offer Live TV and Video on Demand over OTT. However, keep in mind that Live TV is already available to customers via existing Cable and DTH businesses. Furthermore, today, it is not clear whether existing licenses with Broadcasters gives them right to transmit those channels over IP network. However, those who own local TV channels and may have obtained rights to send Live TV over Internet can readily benefit from iRevo PlayTV App. To the best of authors knowledge, there is no explicit prohibition or permission when it comes to

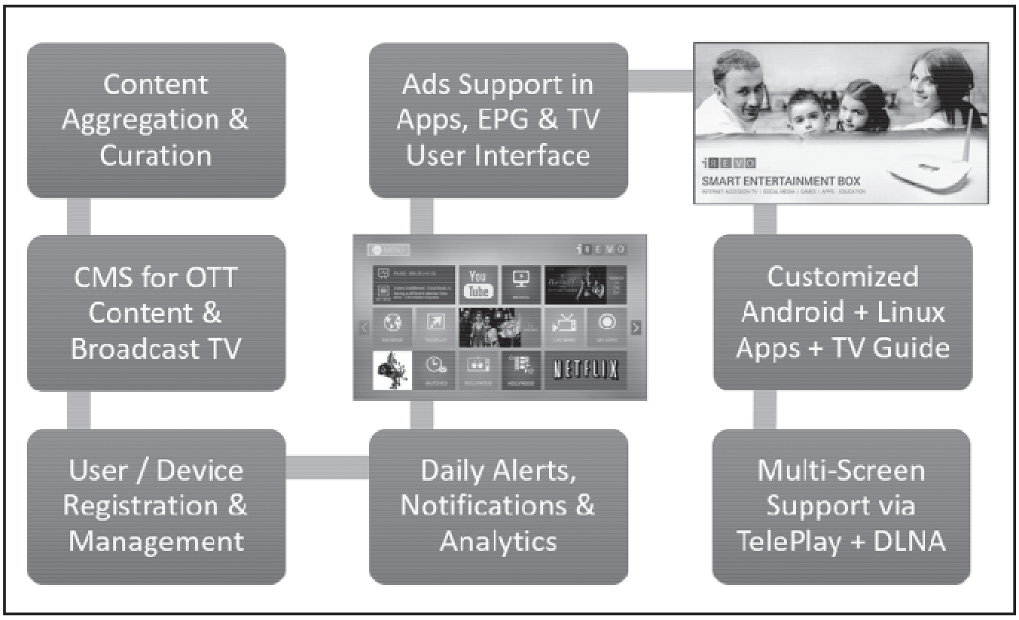

डीआरएम और सामग्री स्रोत यूआरएल सूचना को वीडियो स्ट्रीम को डिकोड करने में सक्षम वीडियो प्लेयर के लिए कैरी करता है। सीडीएन या स्ट्रीमिंग सर्वर से आने वाली वीडियो स्ट्रीम्स एक समांतर गतिविधि है और नेटवर्किंग शब्दावली में डेटा प्लेन अवधारणा के समान है।

यह सोचना गलत नहीं होगा कि ओटीटी सेवा देने के लिए लाइव टीवी यूआरएल के साथ ऐप या इनहाउस स्ट्रीमिंग सर्वर रख सकते हैं क्योंकि ऐसे प्लेटफार्म में क्षमता, विश्लेषण और मुद्रीकरण क्षमताओं की कमी होगी।

ओटीटी वीओडी या ओटीटी लाइव टीवी और वीएएस?

एमएसओ पहले चाहेगा कि वह ओटीटी वीडियो ऑन डिमांड सेवाओं को ऑफर करे, उसके बाद ओटीटी के ऊपर लाइव टीवी। और आईएसपी को भी मांगे जाने वाले सेवाओं के रूप में ओटीटी वीडियो की शुरूआत करनी चाहिए। आईरिवो का प्लेकास्ट ओईएम, मांगे जाने वाले सेवा पर आसानी से अनुकूलन ओटीटी वीडियो का उदाहरण है जो कि कोई भी न्यूनतम निवेश के साथ शुरू कर सकता है और किसी तरह की छोटी तकनीकी जानकारी की भी जरूरत नहीं है। आखिरकार दोनों व्यवसाय ओटीटी पर मांग पर लाइव टीवी व वीडियो पेश करेंगे। हालांकि, याद रखें कि उपभोक्ताओं को मौजूदा केबल व डीटीएच व्यवसाय की सहायता से लाइव टीवी पहले ही उपलब्ध है। इसके अलावा आज यह स्पष्ट नहीं है कि प्रसारकों के मौजूदा लाइसेंस उन्हें आईपी नेटवर्क पर उन चैनलों के भी प्रसारण का अधिकार देता है। हालांकि जिनके पास स्थानीय टीवी चैनल है और शायद उन्हें इंटरनेट के ऊपर लाइव टीवी भेजने का अधिकार प्राप्त किया है उन्हें आईरिवो प्लेटी ऐप से तुरंत फायदा होगा। लेखक की सबसे अच्छी जानकारी के मुताबिक इंटरनेट पर फ्री-टू-एयर (एफटीए) चैनलों की स्ट्रीमिंग के बारे कोई स्पष्ट निषिद्ध या

streaming Free to Air (FTA) channels over internet. Besides Video on Demand and Live TV over OTT, other popular OTT services include Internet Radio and Photos and Videos from Social Media, Stock Quotes, News Headlines, Weather and Horoscope. As first phase of OTT gets underway, next wave will follow with Social TV, Co-Viewing and Custom TV (MyTV) where personalized channels will be streamed to users of OTT service. Really, when you can choose from millions of videos, who would want to remain confined to few hundred channels on Live TV!

अनुमति नहीं है। ओटीटी पर वीडियो ऑन डिमांग व लाइव टीवी के अलावा अन्य लोकप्रिय ओटीटी सेवाओं में शामिल है सोशल मीडिया, इंटरनेट रेडियो, स्टॉक कोट्स, न्यूज हेडलाइंस, मौसम व राशिफल से फोटो व वीडियो। अब जबकि ओटीटी का पहला चरण जारी है अगला चरण सोशल टीवी, को-व्यूईंग व कस्टम टीवी (माईटीवी) के नाम होगा, जहां कि ओटीटी सेवा के इस्तेमालकर्ताओं के लिए व्यक्तिगत चैनलों को प्रसारित किया जायेगा। वास्तव में, जब आप लाखों वीडियो चुन सकते हैं तो लाइव टीवी पर कुछ सौ वीडियो चैनलों तक ही सीमित क्यों रहना चाहेंगे!

WHAT DOES IREVO OFFER FOR OTT VOD & LIVE TV SERVICES?

iRevo makes OTT Platform that does content aggregation, ingestion and curation. Platform supports creating OTT and Live TV service packaging, User and Device registration and management and Ad support and Analytics that is critical for monetization. All these running on Amazon Cloud Platform for over past five years. This Platform as a Service model enables iRevo to offer managed OTT VoD or Live TV OTT services

ओटीटी वीओडी व लाइव टीवी सेवाओं के लिए आईरिवो क्या ऑफर करता है?

आईरिवो ओटीटी प्लेटफार्म बनाता है जो कि सामग्री एकत्रीकरण, अन्तर्ग्रहण और क्यूरेशन करता है। प्लेटफार्म ओटीटी और लाइव टीवी पैकेजिंग, उपयोगकर्ता और उपकरण पंजीकरण व प्रबंधन और विज्ञापन समर्थन व विश्लेषिकी का निर्माण करने का समर्थन करता है जो मुद्रीकरण के लिए महत्वपूर्ण है। यह सभी पिछले पांच वर्षो से अमेजन क्लाउड प्लेटफार्म के ऊपर संचालन कर रहा है। एक सेवा मॉडल के रूप में यह प्लेटफॉर्म, ग्राहकों को भारी या गहन तकनीकी जानकारी में निवेश किये

without customer having to invest heavily or deeper technical knowhow.

COMPLETE SOLUTION BY IREVO, READY TO GO:

OTT Platform + Middleware, TV + Mobile Apps, OTT Android box and Multiscreen via TelePlay.

iRevo also provides middleware and OTT Video on Demand + Live TV Apps for OTT Set Top Boxes like iRevo Smart TV Box or Hybrid (Cable + Internet or Satellite + Internet) Set Top Boxes (both Android and Linux). iRevo also provides Live TV and OTT Application for Mobile phones and Tablets. Middleware and Apps interface to iRevo OTT platform for seamless user experience across multiple devices.

At the SCAT 2017 exhibition held in October, iRevo announced availability of its OTT solution that is very attractively priced and besides enabling small MSOs, it is available to

बिना आईरिवो को प्रबंधित ओटीटी वीओडी या लाइव टीवी ओटीटी सेवायें प्रदान करने के लिए सक्षम बनाता है।

प्रस्तुतिकरण के लिए तैयार आईरिवो का पूरा समाधानः

ओटीटी प्लेटफार्म + मिडलवेयर, टीवी मोबाइल + ऐप, ओटीटी एंड्रायड बॉक्स और टेलीप्ले की सहायता मल्टीस्क्रीन।

आईरिवो, आईरिवो स्मार्ट बॉक्स या हाईब्रिड (केबल + इंटरनेट या सैटेलाइट + इंटरनेट) सेट टॉप बॉक्सों (एंड्रायड व लिनक्स दोनों) जैसे ओटीटी सेट टॉप बॉक्सों के लिए मिडलवेयर व ओटीटी वीडियो ऑन डिमांड+लाइव टीवी प्रदान करता है। आईरिवो, मोबाइल फोन व टैबलेट्स के लिए लाइव टीवी व ओटीटी आवेदन भी प्रदान करता है। एक से अधिक उपकरणों में सीमलेस उपभोक्ता अनुभव के लिए आईरिवो ओटीटी प्लेटफार्म के लिए मिडलवेयर और ऐप्स इंटरफेस भी प्रस्तुत करता है।

अक्टूबर में आयोजित स्कैट 2017 एग्जीबिशन के दौरान आईरिवो ने अपने ओटीटी समाधान की उपलब्धता की घोषणा की, जो कि काफी आकर्षक मूल्य पर उपलब्ध है और छोटे एमएसओ को सक्षम

COVERING ALL ASPECTS OF BROADBAND & iPTV

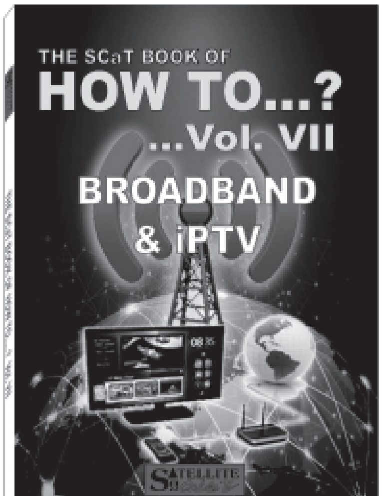

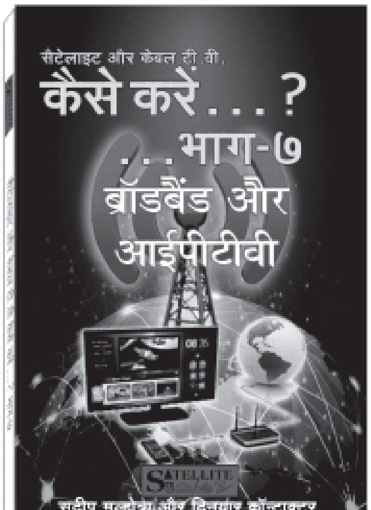

NEW BOOK RELEASES!

Price Rs. 300/- each
(Plus Rs. 50/- towards courier and packing)
All payments by Demand Draft in favour of 'SATCAB.COM' payable at Mumbai,

You can also purchase these books on our website www.satcab.com using your Visa or Master Credit Card

SATCAB.COM

106, Stanford Plaza, Plot B # 65, Off New Link Road, Andheri (W), Mumbai - 400053.
Tel: 022-26733163 / 64 Fax: 022-26733162
Website: www.satcab.com E-mail: satellite@satcab.com

LCOs and VNOs to offer it to their customers, along with their Logo and customization option in the local regional language. The iRevo PlayCast OTT package is priced at just ₹ 1,50,000 per year for up to 1,000 subscribers. The product was showcased in Optilink Networks booth and received very warm response.

iRevo is pleased to extend the PlayCast App Launch Offer from the SCAT show to all SCAT Magazine readers. Purchase two iRevo Smart TV Box for ₹ 10,000/++ and get 1,000 PlayCast App license with thirty days validity for free - this is worth ₹ 12,500 - value! Offer will expire on November 30th, 2017.

For more information, contact:
marketing@irevomm.com or
ateet@optilinknetwork.com

iRevo PlayCast and PlayTV Apps for ISPs & MSO / LMO Operators. ■

करने के अलावा यह एलसीओ व वीएनओ को अपने उपभोक्ताओं को स्थानीय क्षेत्रीय भाषा में अपने लोगो व अनुकूलित विकल्प के साथ उपलब्ध है। आईरिवो प्लेकास्ट ओटीटी पैकेज का मूल्य 1000 उपभोक्ताओं के लिए मात्र 1,50,000 रुपये प्रति वर्ष है। इस उत्पाद का प्रदर्शन ऑप्टिलिंक नेटवर्क के बूथ में किया गया और इसे काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

आईरिवो स्कैट पत्रिका के सभी पाठकों के लिए स्कैट शो के प्लेकास्ट ऐप लॉन्च ऑफर को आगे बढ़ा रहा है। 10,000/++ रुपये में दो आईरिवो स्मार्ट टीवी बॉक्स खरीदें और 30 दिनों की वैधता के साथ 1,000 प्लेकास्ट ऐप लाइसेंस बिल्कुल मुफ्त पायें, जिसका मूल्य 12,500 रुपये है! यह ऑफर 30 नवंबर 2017 तक ही है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः
marketing@irevomm.com or
ateet@optilinknetwork.com

आईएसपी व एमएसओ / एलएमओ ऑपरेटरों के लिए आईरिवो प्लेकास्ट और प्लेटीवी ऐप्स ■

ABOUT THE AUTHOR:

Mr. Dhimant Bhayani; Founder and CEO of iRevo Multimedia; is a 30+ years veteran of Silicon Valley with experience ranging from an engineer who developed Image Processing Systems that were used in creating animated cartoons like Tom & Jerry to starting and successfully exiting a semiconductor start up that made video chips in mid 90s. He has been an executive officer of a listed company in Silicon Valley and was amongst the handful of second generation entrepreneurs in Silicon Valley. Mr. Bhayani has invested in over 50 companies as an Angel Investor and from a Venture Capital fund he cofounded which generated positive returns for investors.

Mr. Bhayani founded iRevo in Silicon Valley to build applications, middleware and cloud platform software to deliver end to end solution for OTT and Broadcast TV segment. Since 2013, he has been focused on India market and has led iRevo to deliver various products for OTT Video on Demand and Live TV solutions for India market. iRevo products are customized for India B2B players and for consumer's ease of use. iRevo products are used on Set Top Boxes, Smart-phones and Smart TV sets. Mr. Bhayani holds a B.S. in Electronics from SUNY College at Buffalo and M.S. in Computer Engineering from University of Michigan, Ann Arbor. ■

लेखक के विषय मेंः

श्री धीमंत भयानी *iRevo* मल्टीमीडिया इंक के संस्थापक व सीईओ हैं, वे सिलिकॉन वैली के 30 से अधिक वर्षो के अनुभव के साथ वरिष्ठतम इंजीनियर हैं जिन्होंने ईमेज प्रोसेसिंग सिस्टम का विकास किया था जिसका इस्तेमाल शुरूआत के लिए टॉम एंड जेरी जैसे एनिमेटेड कार्टून को बनाने में किया गया और 90 के दशक के मध्य में वीडियो चिप्स बनाने वाली सेमिकंडक्टर कंपनी की सफलतापूर्वक शुरूआत की। वे सिलिकॉन वैली में सूचीबद्ध कंपनी में कार्यकारी अधिकारी रहे हैं और सिलिकॉन वैली में दूसरी पीढ़ी के कुछ उद्यमियों में एक हैं। श्री भयानी ने एंगल निवेशक के रूप में एक वेंचर कैपिटल फंड से 50 से अधिक कंपनियों में निवेश किया है, जिसके वे सह-संस्थापक थे जिसने निवेशकों के लिए सकारात्मक रिटर्न उत्पन्न किया।

श्री भयानी ने ओटीटी व प्रसारण टीवी वर्ग के लिए आवेदन, मिडलवेयर और क्लाउड प्लेटफार्म सॉफ्टवेयर के निर्माण के लिए सिलिकॉन वैली में आईरिवो की स्थापना की। 2013 से वे भारतीय बाजार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और भारतीय बाजार के लिए ओटीटी वीडियो ऑन डिमांड व लाइव टीवी समाधानों के लिए विभिन्न उत्पादों की डिलिवरी के लिए आईरिवो का नेतृत्व कर रहे हैं। भारतीय बी2बी कंपनियों और आसानी से उपभोक्ताओं के इस्तेमाल के लिए आईरिवो उत्पादों को अनुकूल बनाया जा रहा है। आईरिवो उत्पादों का इस्तेमाल सेट टॉप बॉक्सों, स्मार्ट-फोन और स्मार्ट टीवी सेटों में किया जाता है। श्री भयानी के पास बफेलो स्थित एसयूएनवाई कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स में बी.एस और एन आर्बर, मिशिगन विश्वविद्यालय से कंप्यूटर इंजिनियरिंग में एम.एस की डिग्री है। ■